अगर इस जहाँ में कोई गुरु ही ना होता भजन लिरिक्स

कोई काम दुनिया में,
शुरू ही ना होता,
अगर इस जहाँ में,
कोई गुरु ही ना होता,
अगर इस जहां में,
कोई गुरु ही ना होता।bd।

तर्ज – श्याम तेरी बंसी।

गीता रामायण ने समझा दिया है,
सभी सार धर्मो का इसमें लिखा है,
गुरु ब्रम्हा विष्णु गुरु शिव होता,
गुरु ब्रम्हा विष्णु गुरु शिव होता,
अगर इस जहां में,
कोई गुरु ही ना होता।bd।

प्रभु राम ने गुरु की महिमा को जाना,
तभी विश्वामित्र और वशिष्ठजी को माना,
माने जो गुरु को उसे दु:ख ना होता,
माने जो गुरु को उसे दु:ख ना होता,
अगर इस जहां में,
कोई गुरु ही ना होता।bd।

सीता को गुरु मिली सती अनुसुइया,
दिया ज्ञान भक्ति का कुटिया में मैया,
पति की करो सेवा तो बड़ा सुख होता,
पति की करो सेवा तो बड़ा सुख होता,
अगर इस जहां में,
कोई गुरु ही ना होता।bd।

कोई काम दुनिया में,
शुरू ही ना होता,
अगर इस जहाँ में,
कोई गुरु ही ना होता,
अगर इस जहां में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Singer – Pooja Paliwal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com